



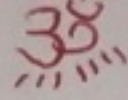
श्री शिवकृपानंद स्वामी

'समर्पण भवन', एरु - अब्रामा रोड, गांधी स्मृति स्टेशन के पास (पश्चिम), एरु,
जिल्ला - नवसारी, गुजरात - 396450, भारत. फोन : 02637 - 324755 / 09328810888
Website : www.samarpanmeditation.org



॥ वसुधैव कुटुंबकम् ॥

18-8-2015



ॐ निवेदन ॐ

सभी दूरूरी, पदाधीकारीयो को मेरा नमस्कार - - -
उमारी सस्कृती मे मुर्ती थाने भगवान थही भाव होला
है, में कोई भगवान नहीं हु। केवल परमात्मा का एक
"माध्यम" हु। लेकिन अपनी ग्रहण करने की "क्षमता" बनाने
के लीये और उनको आर्या "अनुभूतीयो" के कारण
कई साधको ने मुझे "देवतुल्य" दर्जा दिया है, और
यही कारण है, मुझे उस "देवतुल्य" स्थिती के उच्च
शिवर पर ही सदैव रहना पडता है,
दूरूरी या अन्य पदाधीकारी मेरे सामने व्यवस्था के
"प्रश्न" खडे कर मुझे उस देवत्व के उच्च "शिवर" से
निचे "तलहरी" मे ले आते हैं, लेकिन बाद मे फिर
स्वयंम ही बाद मे उच्च शिवर स्वयंम ही पडुथ
जाता हु। उदाहरण के लीये 16 ता. सौराष्ट्र आश्रम
मे 3 व्यवस्था की मिरींग लेने के बाद उसी दिन
शाम 5:11 बजे का "प्रवचन", या कल के प्रवास के
बाद आज दो जैन मुनीयो के शिवरगाँ थादजार
थे। जो आज डोम्बीवली मे लीये है।



श्री शिवकृपानंद स्वामी

'समर्पण भवन', एरु - अब्रामा रोड, गाँधी स्मृति स्टेशन के पास (पश्चिम), एरु,
जिल्ला - नवसारी, गुजरात - 396450, भारत. फोन : 02637 - 324755 / 09328810888
Website : www.samarpanmeditation.org



॥ वसुधैव कुटुंबकम् ॥

(२)

बार बार आध्यात्मिकता के उच्च शिखर से बार²
निचे आना मेरे "स्वास्थ्य" के दृष्टि से अच्छा नहीं है,
मेरी इच्छा आप व्यवस्था में से मुझे "मुक्त" करो
और आपस में आत्मीय सम्बन्ध बनाकर "गुरुकार्य"
करो और सारे निर्णय 'सामुहिकता' में लो और कोई भी
सकाधीकार दिखाना है, उसी समय मुझे सुचीत करो
लेकिन छोटी छोटी बातों के लिये मुझे बार² शरीर
के स्तर पर मत लाओ, क्योंकि रोसा करने से आप
मेरा "गलत इस्तमाल" कर रहे हो। जिस माध्यम के साथ
लारवो पवित्र आत्मारो जुड़ी है, उस "माध्यम" का इस
प्रकार का उपयोग कहीं तक उचीत है, आपका "अंकार"
ही सबसे बड़ी बाधा है, आप सभी इस "निवेदन" पर
सामुहिकता में चिन्तन करे, आप सभी को खुब खुब
आर्शिवाद

आपका
बाबा स्वामी
18/8/2015